



9 7 3 2 1

आशा भोंसले

1.029

ASHA ARCHIVES

आशा भोंसले

1029

ASHA ARCHIVES

१ कुं न मः श्री गाल्म ज्ञाय ॥ गमयति बहु लम्ब, विष्टु नञ्
 विना यकंद्वी पूर्ण महा तडा. महा वलय नाक्रम ॥ १ ॥ महा दनः
 महा काय. मकंद्वी कुं गजा नत्तं वत्तव ॥ २ ॥ महा दि कि. ति नञ्
 लयै नायकी. त्रक मा ला खद त्रक. द कि. ल्म न वि का निर्त
 यञ्चु भादक पाण्डव. वामरु ह वि का निर्त ॥ ३ ॥ ना ना पृथ
 नगां दव, ना ना गन्ध न लय न, ना गन्ध ला ववी गा न, ना ना

॥५॥
वि प्रि विना नंदनासुत्रमनयोऽ, सिद्धगधर्वेव नितु सुक
विप्रिहर्लोतं, माखर्दं नमामहं ॥५॥ ॐ ति गलनैयः
तीतास्तसमाफ ॥ १॥ नमः शिवाय ॥ यथमेतुमहदव दि
ती यश्च महश्च त ॥ एतीर्षं अकृत्रं नाम, यदुर्थं वरुधुअ ॥ १॥ य
श्च मकीर्हि वासं व, वरुकासा अनासन् सफ मंदवदव ॥ नील
कलु मथा षु मं ॥ २॥ नमः ॥ १॥ अत्रं नाम, दशम पावती वि

य, त्रुडुकादश नाम, द्वादश शिव मयका लुगदा द
श नामानि, शि शि अउ श्यथत्वेन व लमश्च अकृता ध्रु श्वेव, ह
नाथार वलीयति ॥ १॥ अत्रना गतया तीव, मिशु विष्णु सद्यात क
मयत सर्वपापक्षा, शिवला कं सगच्छति ॥ १॥ ॐ ति शिवदादश
नामकारं समाफ ॥ १॥ १॥ श्रीरुवा न्ये नमः ॥ नतागानमागा नवम
नदागा, नवरी नयता नरु एा नवहो ॥ नजा प्रा नवहि नव रं मं

व. ग. गिह्वं ग. गिह्वं त्वमेका हवानी ॥१॥ न जाना मिदं न व
यमानं, न जाना मिमर्तुं न व ही उज कु जाना मिपूजां न व न्यास
जा गं. ग. गिह्वं २ ॥ १॥ हवा द्वात्रयान महादः खरी गो. पुवीगः पुवी
मी पुलाहः ॥ १॥ मरु ॥ १॥ क माया क लुप्य सदा हं हवानी. ग. गिह्वं ३
३ ॥ न जाना मिपूजां न जाना मितीर्थ. न जाना मिह क्वाल
यन्वा किम गत् ॥ न जाना मिह कि उतांवा पिमा गत्. ग. गिह्वं ४

कुलया लक्ष्मी नः
पुञ्जं मन्त्रमः मरु ॥ १॥ सूत्रं ग. ग. गिह्वं ५ दि नः नि. ॥ १॥
वनम्बा ॥ न जाना मिवा न्य सदा हं सतः ॥ ग. गिह्वं २ ॥ १॥ क कर्मा
कः ॥ १॥ क्वद्विः क्दा सः. क्ता या लनी नः ॥ क्द्विः क्वा र्क
सदा हं हवानी. ग. गिह्वं २ ॥ १॥ विवाद विष्मदये माद पुवा ॥ १॥
जलवान न पर्वगः ॥ १॥ म ॥ १॥ नः ॥ १॥ सदा मा प्रवादिः
ग. गिह्वं २ ॥ १॥ ॥ नः ॥ १॥ द निडा दाना प्रा गश्का. महाक्षी नदानः ॥ १॥

दाजाघवक वविय हिः पुविष् सदाहंरुवानिगतिस्त्रिगति
ह्वंत्वमकारुवानि ॥५॥ ॐ गिरुवान्माष्क कं समाफ ॥ ॥२६॥
हीमभनायनम ॥ माग्जो ना विद्युरुहानं पा न्दवानां गि
नामनी ॥ कोत्रवानान संहानं वंदहं डा यती प्रिय ॥ ॥१॥ नमस्ते
हीमनाजायदूष्की वकमात्रिने ॥ यथेमजेलदाता न उरुताः
गिनिवाहिनी ॥२॥ हिलजाननहावसानि गियनं किमीननामात्रिपू

ध्यानं ब्राह्मसत्री लही वनधनं हीमा करं वेना ॥ यनायात महाव
ला ॥ पुविममलंदः सातनं स्वासकता विन्दे गिनिदूर्जे ह्मिय गि
तं ॥ गीहीमदवधनं ॥ ॐ गिष्टीहीम सैनं सकारं समाफ ॥ ॥२६॥
सुद्धोदकायनम ॥ पथमं रा करं नाम द्वितीयं दिवाकरं
हतीयं गिनिनादिष्वचरुथं लाकवक ॥ ॥१॥ यथेमं डा यदादित्यसु
हर्षा सुकशा की ॥ मार्कं द सकताम नदी स समथक म नवमं

॥ ४७ ॥ म ह्युक्तं या यन मशा केला सत्या रु ३४ ॥ कुं शुद्धि रू तिक स
 निरु यता मागे न्य विही नगु जलाम ह्य विवर्जित ॥ १ ॥ सर्वो य स यदा वा प्र स
 वेक्षान कता लय व क ता अ लि य ता रू त्वा सखा ज्ञानं सदा भिव ॥ २ ॥ उपपन्न
 पुन गा वृ क्ता ज्ञान रू याम व ति गता व क ना पा य न द व श विरायू ली म ध्व रू क
 ॥ ३ ॥ शा न्त म ह्मि महा द व ला कानां हि ग का म्प या व रित का न न ला का ल्प रू त्वा क स
 व ना व त्र ॥ ४ ॥ ॥ १ ॥ सदा भिवो दा वा ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 विरायू मे नि
 सव मे

॥ ४८ ॥ ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 सखा न क क र्म ना ज न वा धा म ह्य विवर्जित ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 नू व धा न ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 य भिव ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 हे य व क्त रू म ह्युक्तं या यन मशा केला सत्या रु ३४ ॥ कुं शुद्धि रू तिक स
 रू ता न्न व यानि ना म वि ना थ ह्मि म ह्युक्तं या यन मा नु ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 जिव रू ता हि जी वा जी व स्य का न न ग ग ता नि द क क रू त्वा हि

मृ

मृक्ष्य न मासुत ॥५॥ हिमादि जिखनाहास, स्रक्काविवि
मनाहन ॥ पुनः ककनाहास मृक्ष्य ॥ १० ॥ नागहात्रम
हायाहू, सर्वज्ञानेककात्रन ॥ यत्रिजातासि लाकानां मृक्ष्य
॥ ११ ॥ निहताप्रवकात्रन, स्रक्कावनामानूपा ॥ गन्धर्वापुत्रस
श्वेव, सिद्धिविद्याधनात्रग ॥ १२ ॥ साध्याश्ववसवात्रुडा, रुथ
श्विनिसूतावरी ॥ मात्रुत्त ॥ दि ॥ नाग ॥ १३ ॥ वनाजमसुथा
॥ १३ ॥

२६

जीताह इयिगवधाना, मृक्ष्य ॥ १४ ॥ अश्वायनियत्रामृहि
मृज यनिननादय ॥ नतम ॥ त्यंयानि, मृक्ष्य ॥ १५ ॥
त्वमाक्ष ॥ १६ ॥ सिवदानी, दवाना ॥ १७ ॥ दासि ॥ १८ ॥ का
ना, मृक्ष्य ॥ १९ ॥ सावनज ॥ मवायि, यावकि ॥ २० ॥ दिदि नि ॥ जिववि
याह ॥ नाकाय, मृक्ष्य ॥ २१ ॥ सामस ॥ योग्नि ॥ मध्वहू, यामवायि
सदाशिव ॥ काल ॥ यमहाकाल, मृक्ष्य ॥ २२ ॥ पुत्रदयायुवृद्ध
वे ४

स

म्व. त्वज्जस्रजसिपुला न सु वि नूय न नूय म ए अश
नमा सु ग ॥ १५ ॥ आका तं वा म न वा गि. न उ उ र्वा ॥ ३ ॥ मि र्वा नि
तांज्ञा न र ता गि. म ए अश ॥ १० ॥ उ ग जी वा ग ग न्या न ४ य शु ल्व ज
गा पि यु ४ का न न स व नी धा ना. म ए अश ॥ ११ ॥ न त्व मि दि
न ४. स व र्ज्ञा न य वा ध क ४. सा र्वा था ग ग र ह स ४. म ए अश ॥ १२ ॥
नू या नी न ४ नू य ४. पि नु स व न म व व उ या ग क ला धा न

ए अश ॥ १३ ॥ नू य क व द्नी नू या ति. सा म नू पा मि नू य क ४ क र्क क
मि व नू या गि. म ए अश ॥ १४ ॥ क र्क क वा सि यो या ना प ल्वा ना ४ पि व द
न ४ त्व र्क ४ ४ य सा नि र्वा म ए अश ॥ १५ ॥ त्व सु वा ध त्व मा ल. त्व मि र्क उ व न
तु य ४ स त्व न र्वा त्व म वा ग. म ए अश ॥ १६ ॥ त्व सा म त्व दि. त्व ४ ४ त्व मा ४
सा य के मि ४ य न म म र्वा पि ४ त्व मा ना थ. म ए अश ॥ १७ ॥ स व दि य ग न
म न. स व र्वा ग न ४ ४ य ४ स व र्ज्ञा न य दान न. म ए अश ॥ १८ ॥ त्व मा ला स

म

वैकुण्ठकान्तसुगुणानामुपधीऽन, सर्वोत्तममयाधन, सत्यप्रपञ्च
लज्जसर्वज्ञाना, लब्ध विविधसुखाना ॥ १८ ॥ वृत्तत्वमिवाय, सत्यप्रपञ्च
॥ १९ ॥ सर्वमायाकलाधन, सर्वद्विप्रयनायन, सर्वद्विप्रपञ्च, लब्ध सुखप्रपञ्च ॥ २० ॥
॥ २१ ॥ नयगन्धकथास्य, सद्यसंस्तुत, यद्युद्योगात्प्रमोद, विमोद
युक्त, वृत्तत्वमिवाय, सत्यप्रपञ्च, लब्ध सुखप्रपञ्च, सत्यप्रपञ्च, सत्यप्रपञ्च
॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ लसनादिननक, नित्यनित्यविराविनी ॥ २४ ॥ किं ह्यसर्वदेव ॥ २५ ॥ मय

॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ लसका नित्यसादिव ॥ सकलशुभतपुत्र, नित्यसादिव
मयप्रपञ्च ॥ २८ ॥ ननका नित्यसम्यन्त्रननकासनसंस्तुत, ननका नित्यसादिव
॥ २९ ॥ मयप्रपञ्च ॥ ३० ॥ कायकसन्तपन, व्यापक विश्वमननक, कंठविस्मयवि
॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ लब्धहीन ॥ यत्रमाविद्या, लब्धहीन ॥ यत्रमा
गतिवर्तहीन ॥ कोननकम्म, मयप्रपञ्च ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ दीना ॥ कर्तुं लब्ध
लोकस्यसर्वग ॥ उकिमुक्तिवर्तदाता, मयप्रपञ्च ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥

ननादि पत्ररत्न त्वमीश्वरः ॥ १ ॥ सदा कत्रयनामं नृनय
 ॥ २ ॥ नवमं कीर्तयद्यत्तु ॥ ३ ॥ विद्युयतामान सभरुक्का ॥ ४ ॥ निया
 नृनय ॥ ५ ॥ नवमं कीर्तयद्यत्तु ॥ ६ ॥ नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं
 ययत् ॥ ७ ॥ नवमं कीर्तयद्यत्तु ॥ ८ ॥ नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं
 कालं ॥ ९ ॥ नवमं कीर्तयद्यत्तु ॥ १० ॥ नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं
 नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं ॥ ११ ॥ नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं
 नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं ॥ १२ ॥ नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं
 नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं ॥ १३ ॥ नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं
 नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं ॥ १४ ॥ नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं
 नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं ॥ १५ ॥ नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं
 नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं ॥ १६ ॥ नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं
 नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं ॥ १७ ॥ नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं
 नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं ॥ १८ ॥ नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं
 नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं ॥ १९ ॥ नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं
 नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं ॥ २० ॥ नायमप्यरुयन्त स्र. येन कालं वलं

नयपुत्रं सर्वो विनाशिनं ॥ १ ॥ सस्रवर्कं नानिर्यं सर्वद सुतन्मा ॥ २ ॥
 सर्वपाप विनिर्मेकं ॥ ३ ॥ गिवलाकं महीयणं ॥ ४ ॥ सान्वये सजीवितु यय
 योयुति स्थित ॥ ५ ॥ उह मह विपुष्ययन्त म ॥ ६ ॥ पूरये ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥
 यनयथ न विनका लं सजीवति ॥ २१ ॥ सफ जन्म कर्तया यं मयान न ए स
 य ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥
 माफ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥

॥ नमो नमो नमो नमो ॥ सदान् नन्दवाच ॥ नमो वाग कर्तुं प्र. विना सिख
रदेत्यह. पापानि प्राप्ति विनयं पू. ४ रुवमिवा कर्प. ॥ १ ॥ सदान् नन्दम विम
समस्त सवि कर्ण. रुम विप नि. समस्त या सिनं. त्रहस्य पदा र्थकान्. द. द.
न. गम्यता यत्र ननु त्र. शीघ्र काव. सुमनः. नमो नमो. श्री कर्ण. सन्तुष्ट
यिव. समस्त पार्थ भावयिव. वि. शेषन. कलिसुतुन. शीघ्र या. सु. ग. उ. न. क.
त्रहस्य त्र. द. भा. क. रा. यिव. पू. न. व. न. क. इ. यिव. ॥ २ ॥ साक र्थं तु त्र. शी. ला. क. र्थ.

क्रितावन्दिता नहि. दर्शन नायिर्यं यत्र. रू. ल. का. टिग. वा. द. व. त्. ॥ ३ ॥ स
मस्त. ला. क. र्ण. तु. त्र. शी. क. र्ण. सुमनः. नमो नमो. नमो नमो. तु. त्र. शी. य. त्र.
द. रु. त्र. ॥ स. य. मा. तु. न. का. टि. सा. दान. वि. प्रा. पू. न. ला. क. ॥ ४ ॥ ध. न्या. र्थ. मान.
वा. ला. का. इ. सि. पू. न. ध. दि. ता. रु. व. त्. सा. ग्र. म. शि. त्रा. जा. र्थं. तु. त्र. शी. य. त्र. रु.
शु. बो. ॥ ५ ॥ ग. र्ण. पू. न. य. न. श. वि. श्र. म. स. द. य. नि. मि. हि. न. तु. ल. शी. य. य.
वि. २

उ

व. तयव. थरु मिय. थरु धाय. थय कर्ण धन्य धाय. ॥ १ ॥ तुनशी ३
 विविध ति. धन तु लु तय तवो. के मवार्थ क लायव. त्राय मनि ह
 रूतने ॥ ४ ॥ गार्क यत्र न. शी क व. या न निमिहि नरु मि स तुनशी ११
 यया वरु यव. थर्क या ताला य विग धाय. ॥ २ ॥ किं क निष्ठा नि सम्यु ३. मा
 न विरु व ति सु न. तुनशी द न न द व १. य जि ता य न द ह्य ह ॥ ३ ॥

धर

व

गान वूम नू य न. तुनशी ह न द या या व द पूजा या यव. यत्र भं धन र्प नु
 पूरु यव. वृ य न भा व का व ति र्थ ज्ञा ज्ञा ना. ॥ १ ॥ ती र्थ ज्ञा ज्ञा दि ग म न.
 किं त स्य कि सि ता व य ३ य य नि ह न मू कि. तुनशी द न का म त्र ॥ २ ॥ तुनशी
 ह न न. शी क व. यत्र या यव. थर्क या ताला ति र्थ ज्ञा ज्ञा या पु न्य ला क
 ॥ ३ ॥ समं ३ सि द न मू कं. के ग वा य ह म लु ल. क र्व नु य ३ न ३ ३

[illegible]

॥५॥ छत्रभीमदंष्ट्रवृक्षं ऊर्ध्वं विष्णुवत्तरुं कञ्जवायवि विंदत्वा
 स्मरितं तस्य हस्तके ॥६॥ छत्रशीघ्राह्वा स्यूता ववाहवाथिपा
 मानेन जन्मकपूना कथं गुलियत्रमेष्वत्रमामनकाध्यालाहा
 तयविश्रुधाय ॥७॥ त्वदगं समुद्रनिर्णयं पूज्या मित्रथाहत्रि, तथा कू
 नूयविर्णग, के लामनविनाशनं ॥८॥ गुधुत्रिमं जयात्रयाव, यमम

कु

साकन कुनशीदायावय नमस्वनसक कुपावय नमस्वनन कींमा
वकला ॥ १॥ नायितागामतितीनैयप्रैकूषूनयात्रिताऊगदिखा
दकुनशीगायिनीनतिहसुवे ॥ १॥ गमतितीनस कुनशीयमाय
ननशीकषूस्यसनहस्र १०००० गायिकायनि कीजायाता ॥ १॥ व
सिषुववनायूवनामनननयूननदशगीववधार्थयनायिताकुल

१५

यना

शावना ॥ १॥ पूर्वसवसिषुन उयदसविद्यान गनयूतीनस कुन
शीयमायूननशीनामवन्दुननावनभायकना ॥ १॥ विभागना
मदवगथायनियनकामजाऊशीकवनिकामधनायितायूर
संगीता ॥ १॥ नावननयूयावयदवलसशीतानन्रुष्वकवनिकाउ
नशीयमायूननयूनवोदनामवन्दुनयानाता ॥ १॥ शक्यार्थमूमा
उ

३

दवी, पूनावेधह माधन, नायितागतं रुक्मा, दुनगीपुनर्मामह॥
 १८॥ पूनायुर्वेधह मानमपर्वतस, पावतीन, दुनगीयमायुर्वेधन
 गीमहादवसामीलाता॥ १९॥ यमागवसितानित्यं, कात्रलीमाधस्यव, ना
 यिताह्वंश्रीयादिक्रा, गंगजलसमियगा॥ २०॥ यमागसर्वनितीत्रस, सक्ती
 नदुनगीयमायुर्वेधन, नात्रायनसामिनाता॥ २१॥ अषककुसमीयदु.

१५

सावित्यात्रायनाकता, पूकत्रयवमतिर्य, दुनगीह्वनिर्मामह॥ २२॥ य
 कत्रनीतिर्यस, अषककु, यानिकतस, सावित्रीन, दुनगीयमायुर्वेधन,
 दुङ्गासामीलाता॥ २३॥ सर्वोरिदवयन्निरि, किंकनिरिवत्रायिताह्व
 पुदुर्मंगनाथाम, सयिताह्वनमासुन॥ २४॥ दवमा, किनत्रया, सियनिस्य
 न, सप्रयारु, लरिनकेयाता, दुनगीसुहकायाता॥ २५॥ धर्मा नधगपामा

व. को प्रायिताहिरि सूर्य. स्यविता रुनशी यू. आसा मिनाहिमि द्विता ॥ २५ ॥
कु थवथव स्वामित्र सता प्रके निमी हिन. गमा सधमो नयस्. यि उत्रा कयको १५
सुतियाता ॥ २६ ॥ प्रायिता नामदव. ज. निविता लक्ष्म ननव. शीता या यानिता रु
॥ २७ ॥ रुनशी द. लुका न. ॥ २८ ॥ नामव न्द्रन पया. लक्ष्मी न लखवि
प्रो. शीतान नहियावतया. द. लुका न. अवनस्. रुनशी ॥ २९ ॥ उ. ला. क

प्रायिनी गंगा. ज. थासा सु. गायत. त. थेव रुनशी ना. क. दृ. श्यत. शव
नावनी ॥ ३० ॥ समसु. ती. र्थ. स. गंगा. शु. व. रु. ना. ल. र्थ. रुनशी. के. ला. क.
शव. ना. व. ला. ॥ ३१ ॥ नम्य. शी. किं. किं. ध्या. या. व. क. यि. ना. ऊ. न. स. वि. ता. रु. न. शी.
वा. त्रि. ना. सा. र्थ. ना. ना. स. ग. म. हे. त. वे. ॥ ३२ ॥ किं. किं. ध्या. न. ग. व. स. स. ग्री. व. न. रु.
न. शी. य. या. यू. न. वा. त्रि. भा. व. का. व. ता. ना. ग. म. न. या. ॥ ३३ ॥ य. न. म्य. रु. न. शी.

ॐ

दवीसगनाकर्मकृतसामीकार्यप्रदुष्टहन्मान्पूजनागत
॥२७॥ तुनगीशकोनमस्कोनयादायन्त्रकोवादावसामीकार्य
प्रायस्कृता॥२८॥ तुनगीगृहलंदुष्टविमर्शवायिकास्तर्कसर्वमनिसादूर्त
वृक्षहत्यादिप्राधन्य॥२९॥ सदानन्दसर्विष्टसमस्तसर्विकदातुनगीवन
प्रायामाउनवृक्षहत्यास्तर्कवृक्षहत्यादिस्तर्कहत्याप

भाक॥३०॥ तुनगीपाउगदित्तयः॥३१॥ यतिनसाम्बर्गं गायन्त्रामवा
प्रातिदक्षधनरुस्यद॥३२॥ तुनगीहसनकातिदाववसखच्छरुतिनिस
सतयामाउनगं गायन्त्रामवादायन्त्रिष्टासादानविमर्शस्तर्क॥३३॥ पुन्यद
ममदवगं पुन्यदहनिवत्तनकीनाधर्माथगारुतातुनगीनानमाम्यहं
॥३४॥ धनुनिनिनाकथालयावकुनगीलखगालसहाय॥३५॥ दादक्षी

३

जागननाशायथित्वी दु लगी सुर्वदाति सद्य नाधश्च कमन तस्य केन
वी ॥ ३० ॥ गमायनूषन नृकादशी जागननायामीव द्वादशी कुरु तु नशीस १६
वयाथयायव धर्म्या सुपनता नयनाध दतसां नायायन न कमायायव ॥ ३१ ॥
यस्याप्यभावना वा ल के मा न वृद्ध के कन त सर्व विनयं याति तु नशीव
तु नशीना ॥ तु नशी सुवयाथया दामातुन वा ल क जो वन आथ धु नया
॥ ३२ ॥

क

का पापं मां ॥ ३३ ॥ प्रीति मायाति दव ॥ तु लशी सुवया ददाति व कनूत भातना
संव सूर्य विद्या प्रयच्छति ॥ ३४ ॥ तु नशी सुवया ० या दाय नशी कुरु स तु
रुयव लक्ष्मी वृद्धि रुयी व विद्या वक्त रुयव ॥ ३५ ॥ तु लशी नाम मातुन तु ल
रुवति दैत्य ह संगवाना वदव ॥ मूकियति द दिनी ॥ ३६ ॥ तु नशी धका
व नाम उव न नया दामातुन य न मे श्व न स तु रुयव तु नशी सुवयाथया

॥ १॥

कु

कानमाकवानिवमवानि. वानीव. धकावसंदहममाल. तुनगीसुवर्ष
तुष. सर्वम. एददातिवमदतहनमायाय. विष्णुनाहिनकनी. ॥ १५ ॥ तुल १५
गीषवपाथयाकान. यनमसुनसंतुखरुयव. समसुयायभायव. सुखद
यव. नूकासम. एमरुयव. निश्चयनी. ॥ १६ ॥ हयमिन. तुतिनित्य. ति
खितंवायितसुर्व. नाशु. रुविद्यततस. मगनवर्द्धयग. ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥

कयाकस. तुलगीसुवपाथयायव. नूधवायाथयायमसयीव. कसवायका
वतयीव. थयूयाके. एकल्यान. रुयव. नूकल्यान. रुयमद. यमदूतद. लाव
यमदू. ॥ १९ ॥ सर्वतुमंगनतस. नासि. किवित्दमंगनी. निश्चयक. लावरुकि
नविभागस्यवेषुर्व. ॥ २० ॥ थर्म. तुनगी. सरु. कयाय. मवर्त. तुनगी. सरु. कयाय
व. तान्दाल. द्विथ. रु. व. क. जातधकाव. व्यागनमायिव. थयू. व्यागनमख

कु
जति

तप नमश्च तथैकाद्या गल रुला थथै चान्दान रुत सनै पनमश्च तराव
नायायमाल॥२॥ जीव व्याधिविनिर्मुक्तं धर्मध्वद्वैतमति तुनगीसुव २०
तुपथितं रुलं हवतिमानवा॥३॥ गार्ह्ययन वन तुनगीसुवयाथया
दावत्तकालर एभाययव भागनास रुयवधर्ममति रुयवा॥४॥ तीर्थ
काटि सहस्रानि मः रुलं लह तह रुल रुलं समवाप्ताति यधित्वा तुन

गीसुवी॥३॥ सहस्रकाटि तिर्थवादाय न्य दान रुय तप ध्यान थनै रु
ल तुनगीसुवयाथया दान उतिरु सलाक तुनगीधयास एगु न्नाखन सयवदा
थयै विष्णु रुकिधाय शक्ति सवय न्नाथै साययायमान थथै थनै न तुल
गीमदयका वयनमश्च तप जायात सनै रुल विप्रसामर्थमद् तुनगीदय
कावयूजायात सा सकिहीन रुल सनै रुल लाक तुनगी तुनगीधकाव एग

पुन उच्चननयानसाने म कि थ या ह सु श या निव वा क स म य ध न न तु न शी स
 मानमद ॥ ॐ नि शी क ॐ य नाने तु न शी क व समा फ ॥ ॐ ॥ ॐ रु म सु स व द
 ॥ ॐ ॥ ॥ १ ॐ शी क या स ना दे व जात ॥ रु न गि या य ल त म नू क जात ॥
 क ठि का मा अग्नि क न्द्र ना क स ॥ ना हि नि या क पि ल स ॥ म र्ग नि ल या
 व ला दे व जात ॥ आ डा या वि म नू र म जात ॥ य न र्व शू या य ल दे व जात

२१

॥ य म मा क ल स दे व जात ॥ अ शू ष मा का य ना क नि जात ॥ म घ मा भ स
 ना क नि जात ॥ य र्व दानु नि या ना हा म नू ष जात ॥ उ व दानु नि या नाः
 हा म नू ष जात ॥ ह रु या कि सि दे व जात ॥ वि श या आ र्वा ना क नि
 जात ॥ सा नि या दू लि दे व जात ॥ वि श ष या रु नि ना क नि जात ॥ अ न ना
 ट या ह स दे व जात ॥ अ ष मा का य ल ना क नि जात ॥ मू ल या अ न ना क

कायनि३ नू१

नि. जात॥ पूर्वषा लया उत. मनू क जात॥ उषा लया. उत. मं क जात॥

शुवदमा. नल॥ धन्यकया. धन्य॥ ना क नि॥ गतरी खया. थया. ना क

नि॥ पूर्व रुदया. काय नि. मनूष जात॥ उष रुदया. मनूष जात॥ ने व

नियान् क देव जात॥ १॥ नू हि व उमा. सिं ह॥ धनया. न क उमा. वा हान

जात स्या मरु ना॥ २॥

२२

न

आशा सहस्रनाम

1.029

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES



ASHA ARCHIVES

